

13 अप्रैल 2024 : समाचार विश्लेषण

A. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 1 से संबंधित:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

B. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 से संबंधित:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

C. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 3 से संबंधित:

अर्थव्यवस्था:

1. फरवरी में औद्योगिक उत्पादन 5.7% बढ़ा; उत्पादन स्तर 3 महीने के निचले स्तर पर:
2. महंगाई घटी, फिर भी खाद्य बिलों पर कोई राहत नहीं:

D. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 4 से संबंधित:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

E. संपादकीय:

सामाजिक न्याय:

1. बेहतर शिक्षा, छात्रों के उज्ज्वल भविष्य के लिए डेटा:

पर्यावरण:

1. वन्यजीव 'पकड़ने' और 'बचाव' के बीच धुंधली रेखाएँ:

अर्थव्यवस्था:

1. जोखिम भरा परिसर:

F. प्रीलिम्स तथ्य:

1. आईआईएससी के शोधकर्ताओं ने पानी से माइक्रोप्लास्टिक हटाने के लिए नया हाइड्रोजेल डिजाइन किया:

G. महत्वपूर्ण तथ्य:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

H. UPSC प्रारंभिक परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

I. UPSC मुख्य परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 3 से संबंधित:

फरवरी में औद्योगिक उत्पादन 5.7% बढ़ा; उत्पादन स्तर 3 महीने के निचले स्तर पर:

अर्थव्यवस्था:

विषय: भारतीय अर्थव्यवस्था तथा योजना, संसाधनों को जुटाने प्रगति, विकास से संबंधित विषय।

मुख्य परीक्षा: भारत में औद्योगिक विनिर्माण की स्थिति और उससे जुड़ी चुनौतियाँ।

प्रसंग:

- भारत में औद्योगिक उत्पादन फरवरी में 5.7% बढ़ा, जो जनवरी की गति से बेहतर है।
- औद्योगिक क्षेत्र में यह वृद्धि मुख्य रूप से खनन गतिविधि में 8% की वृद्धि और बिजली उत्पादन में 7.5% की वृद्धि से प्रेरित थी।
- हालाँकि, कुछ क्षेत्रों में उल्लेखनीय संकुचन हुआ, विशेष रूप से गैर-टिकाऊ में, जबकि टिकाऊ क्षेत्रों में पर्याप्त वृद्धि देखी गई।

समस्याएँ:

- असमान खपत: गैर-टिकाऊ वस्तुओं का उत्पादन में फिर से संकुचन देखा गया, जो असमान खपत पैटर्न का संकेत देता है।
- उत्पादन स्तर में गिरावट: औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (IIP) तीन महीने के निचले स्तर पर गिर गया, उत्पादन स्तर में जनवरी से 4.1% की गिरावट आई।
- सभी क्षेत्रों में संकुचन: विनिर्माण, खनन और बिजली क्षेत्रों में क्रमिक संकुचन देखा गया, जैसा कि कारखाने के उत्पादन के छह उपयोग-आधारित वर्गीकरणों में हुआ।

महत्व:

- साल-दर-साल विनिर्माण वृद्धि में 5% का मामूली सुधार देखा गया, लेकिन आधार प्रभावों ने कई वर्गीकरणों में रुझान को बिगाड़ दिया।
- उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं में 12.3% की महत्वपूर्ण वृद्धि देखी गई, जबकि गैर-टिकाऊ वस्तुओं में 3.8% की गिरावट देखी गई।

समाधान:

- उपभोक्ता वस्तुओं की रिकवरी को प्रोत्साहित करना: उपभोक्ता वस्तुओं की वसूली में सहायता के लिए प्रयासों को निर्देशित करने की आवश्यकता है, जो अभी तक पूरी तरह से पटरी पर नहीं आई हैं।
- बुनियादी ढांचे से जुड़े उद्योगों को बढ़ावा देना: बुनियादी ढांचे से जुड़े उद्योगों ने बेहतर प्रदर्शन दिखाया है और विकास की गति को बनाए रखने के लिए उन्हें और समर्थन दिया जाना चाहिए।
- क्षेत्रीय संकुचन को संबोधित करना: विनिर्माण, खनन और बिजली क्षेत्रों में संकुचन को संबोधित करने के लिए रणनीतियाँ तैयार की जानी चाहिए, जिससे अधिक संतुलित विकास प्रक्षेप सुनिश्चित हो सके।

सारांश:

- फरवरी में औद्योगिक उत्पादन में 5.7% की वृद्धि उल्लेखनीय है, हालाँकि इसमें व्यापक समर्थन का अभाव है। उपभोक्ता वस्तुओं की रिकवरी चिंता का विषय बनी हुई है, जबकि बुनियादी ढांचे से जुड़े उद्योग आशाजनक दिख रहे हैं।

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 3 से संबंधित:

महंगाई घटी, फिर भी खाद्य बिलों पर कोई राहत नहीं:

अर्थव्यवस्था:

विषय: भारतीय अर्थव्यवस्था तथा योजना, संसाधनों को जुटाने प्रगति, विकास से संबंधित विषय।

प्रारंभिक परीक्षा: मुद्रास्फीति (Inflation)।

मुख्य परीक्षा: भारत में उच्च मुद्रास्फीति से सम्बन्धित चिंता।

प्रसंग:

- भारत की खुदरा मुद्रास्फीति (inflation) फरवरी में 5.1% से घटकर मार्च में 10 महीने के निचले स्तर 4.85% पर आ गई, जो समग्र मूल्य स्तरों में नरमी का संकेत है।
- हालाँकि, खाद्य मुद्रास्फीति 8.52% के उच्च स्तर पर बनी रही, कुछ खाद्य पदार्थों की कीमतों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई, जिससे मुद्रास्फीति में समग्र मंदी का प्रतिकार हुआ।

समस्याएँ:

- निरंतर खाद्य मुद्रास्फीति: मुद्रास्फीति में समग्र मंदी के बावजूद, खाद्य पदार्थों, विशेष रूप से अनाज और मांस की कीमतों में वृद्धि जारी रही, जिससे घरेलू बजट पर दबाव बना रहा।
- शहरी-ग्रामीण असमानता: जबकि शहरी उपभोक्ताओं ने मुद्रास्फीति में उल्लेखनीय कमी का अनुभव किया, ग्रामीण उपभोक्ताओं को थोड़ी अधिक मुद्रास्फीति दर का सामना करना पड़ा, जिससे जीवनयापन की लागत में असमानता बढ़ गई।
- भविष्य में उछाल की संभावना: अर्थशास्त्रियों ने जारी हीटवेव के कारण खाद्य मुद्रास्फीति में संभावित बढ़ोतरी की चेतावनी दी है, जो घरेलू बजट पर और अधिक दबाव डाल सकती है।

महत्व:

- समग्र मुद्रास्फीति में नरमी कुछ राहत का संकेत देती है, लेकिन लगातार खाद्य मुद्रास्फीति, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में परिवारों के लिए चुनौतियां खड़ी करती है। भारतीय रिजर्व बैंक ((RBI)) ने इस वर्ष औसत मुद्रास्फीति घटकर 4.5% तक आने का अनुमान लगाया है, लेकिन चालू तिमाही में औसत मुद्रास्फीति 4.9% रह सकती है, जो कीमतों में निरंतर अस्थिरता का संकेत है।

समाधान:

- खाद्य मूल्य अस्थिरता को संबोधित करना: खाद्य कीमतों में अस्थिरता को कम करने के लिए उपाय किए जाने चाहिए, जिसमें आपूर्ति श्रृंखला को स्थिर करने और कृषि उत्पादकता में सुधार करने के लिए हस्तक्षेप शामिल हैं।
- नीति प्रतिक्रिया: आरबीआई को मुद्रास्फीति प्रबंधन के साथ आर्थिक प्रोत्साहन की आवश्यकता को संतुलित करते हुए, लगातार खाद्य मुद्रास्फीति के आलोक में ब्याज दरों पर अपने रुख का पुनर्मूल्यांकन करने की आवश्यकता हो सकती है।
- कृषि अवसंरचना में निवेश: दीर्घकालिक समाधानों के लिए उत्पादकता बढ़ाने और मौसम पर निर्भर कारकों पर निर्भरता कम करने के लिए कृषि अवसंरचना, प्रौद्योगिकी और प्रथाओं में निवेश की आवश्यकता होती है।

सारांश:

- अब जब समग्र मुद्रास्फीति धीमी हो गई है, ऐसे में खाद्य पदार्थों की उच्च कीमतों की निरंतरता घरों और आर्थिक स्थिरता के लिए चुनौतियां पेश कर रही है। अतः नीतिगत प्रतिक्रियाओं को खाद्य मूल्यों की अस्थिरता को दूर करने और शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बीच मुद्रास्फीति के अनुभवों में असमानताओं को कम करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

संपादकीय-द हिन्दूसंपादकीय:

बेहतर शिक्षा, छात्रों के उज्ज्वल भविष्य के लिए डेटा:

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 से संबंधित:

सामाजिक न्याय:

विषय: स्वास्थ्य, शिक्षा, मानव संसाधन से संबंधित सामाजिक क्षेत्र/सेवाओं के विकास और प्रबंधन से संबंधित मुद्दे।

मुख्य परीक्षा: शिक्षा में डेटा का महत्व

प्रसंग:

- शिक्षा की वार्षिक स्थिति रिपोर्ट 2023 (Annual Status of Education Report (ASER) 2023) 14-18 वर्ष के बच्चों के मूलभूत कौशल पर प्रकाश डालती है, शिक्षा परिणामों में सुधार के लिए डेटा-संचालित अंतर्दृष्टि के महत्व पर जोर देती है।
- प्रगति के बावजूद, रिपोर्ट किशोरों के बीच पढ़ने की प्रवीणता में लगातार चुनौतियों को रेखांकित करती है, नीति निर्माताओं और चिकित्सकों से कार्रवाई योग्य अंतर्दृष्टि के लिए डेटा में गहराई से अंतर्दृष्टि डालने का आग्रह करती है।

मूलभूत शिक्षण प्रक्षेप पथ:

- एएसईआर 2023 बियॉन्ड बेसिक्स सर्वेक्षण से पता चलता है कि 14-18 वर्ष के 26% बच्चे अपनी क्षेत्रीय भाषा में एक मानक दो-स्तरीय पाठ पढ़ने के लिए संघर्ष करते हैं।
- चिंताएँ ऐतिहासिक प्रवृत्तियों से उत्पन्न होती हैं, क्योंकि सीखने की गति सपाट रहती है, जिससे प्राथमिक ग्रेड में चूक जाने पर पुराने छात्रों के लिए मूलभूत कौशल हासिल करना चुनौतीपूर्ण हो जाता है।

पिछली विफलताओं को संबोधित करना:

- विश्लेषण से पता चलता है कि बुनियादी पढ़ने के कौशल की कमी वाले किशोरों का एक बड़ा हिस्सा या तो निचली कक्षा में नामांकित है या स्कूल से बाहर है।
- माध्यमिक कक्षाओं में कम उपस्थिति दर शिक्षा के साथ पुनः जुड़ाव को प्रोत्साहित करने के लिए स्कूल-आधारित कार्यक्रमों से परे समग्र हस्तक्षेप की आवश्यकता को उजागर करती है।

पठन सामग्री एवं पुस्तकालय का महत्व:

- ग्रामीण परिवारों में स्कूली पाठ्यपुस्तकों के अलावा पढ़ने की सामग्री की उपलब्धता सीमित है, जिससे पढ़ने की आदतें और क्षमताएं प्रभावित हो रही हैं।
- प्रभावी ढंग से प्रबंधित सामुदायिक पुस्तकालय, पढ़ने की आदतों, रचनात्मकता और आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा दे सकते हैं, जिसके लिए समर्पित व्यक्तियों और सहायक वातावरण की आवश्यकता होती है।

युवा आकांक्षाएं और करियर:

- एएसईआर 2023 14-18 वर्ष के बच्चों की आकांक्षाओं को उजागर करता है, जिनमें से अधिकांश का लक्ष्य कॉलेज शिक्षा है, खासकर लड़कियों का।
- हालाँकि, विविध कैरियर विकल्पों और मार्गदर्शन की कमी से निर्णय लेने और आकांक्षाओं को पूरा करने की तैयारी में बाधा आती है।

व्यावसायिक शिक्षा की धारणाएँ:

- कुछ जिलों में व्यावसायिक शिक्षा को लेकर नकारात्मक धारणाएँ प्रासंगिक और आकांक्षी व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की आवश्यकता पर प्रकाश डालती हैं।
- सोलन के सकारात्मक उदाहरण व्यावसायिक आकांक्षाओं को आकार देने में नौकरी पर प्रशिक्षण और कैरियर की संभावनाओं पर प्रासंगिक जानकारी की क्षमता को प्रदर्शित करते हैं।

प्रौद्योगिकी का लाभ उठाना:

- युवाओं के बीच बढ़ती स्मार्टफोन पहुंच शैक्षिक उद्देश्यों के लिए डिजिटल प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने का अवसर प्रस्तुत करती है।
- शैक्षिक प्रौद्योगिकी एजेंसियों, उद्योगों और पेशेवर समूहों के बीच सहयोग युवा आकांक्षाओं के अनुरूप सीखने के प्रासंगिक अवसर प्रदान कर सकता है।

सारांश:

- एएसईआर डेटा चुनौतियों को समझने और किशोरों के लिए शिक्षा परिणामों में सुधार के लिए कार्रवाई योग्य रणनीतियों की पहचान करने के लिए एक मूल्यवान संसाधन के रूप में कार्य करता है। विलाप करने वाली समस्याओं से आगे बढ़ते हुए, हितधारकों को प्रभावी हस्तक्षेपों को निर्धारित करने और भारत के युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए सामूहिक कार्रवाई करने के लिए डेटा अंतर्दृष्टि का लाभ उठाना चाहिए।

वन्यजीव 'पकड़ने' और 'बचाव' के बीच धुंधली रेखाएँ:**सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 3 से संबंधित:****पर्यावरण:****विषय: संरक्षण पर्यावरण प्रदूषण और क्षरण।****मुख्य परीक्षा: वन्यजीवन की अवधारणा 'पकड़ना' और 'बचाव'।****प्रसंग:**

- वन्यजीवों के 'पकड़ने' और 'बचाव' के बीच का अंतर जानवरों के कल्याण और संरक्षण प्रयासों की प्रभावशीलता पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालता है।
- भारत में, जहां मानव-वन्यजीव संपर्क (human-wildlife interactions) बढ़ रहा है, जटिल संघर्ष स्थितियों से निपटने के लिए इस अंतर को समझना आवश्यक हो जाता है।

समस्याएँ:

- परिभाषाओं का धुंधला होना: 'बचाव' की अवधारणा अक्सर 'पकड़ने' के साथ ओवरलैप होती है, जिससे भ्रम पैदा होता है और वन्यजीव प्रबंधन में संभावित रूप से हानिकारक हस्तक्षेप होता है।
- दिशानिर्देशों का पालन: अंतिम उपाय के रूप में पकड़ने की वकालत करने वाले सरकारी दिशानिर्देशों के बावजूद, अंधाधुंध कब्जा करने की घटनाएं जारी हैं, जिससे जानवरों के लिए नकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं।

- साँप संघर्ष प्रबंधन: बचाव की आड़ में साँपों की खराब देखभाल और अनावश्यक स्थानांतरण, संघर्ष को बढ़ाता है और पशु कल्याण से समझौता करता है।

महत्व:

- संघर्ष को कम करने और मनुष्यों और वन्यजीवों के बीच सह-अस्तित्व को बढ़ावा देने के लिए बचाव और पकड़ने की अवधारणाओं की उचित समझ और अनुप्रयोग महत्वपूर्ण है।
- गलत दिशा में चलाए गए बचाव अभियान से जानवरों और मनुष्यों दोनों के लिए प्रतिकूल परिणाम हो सकते हैं, जिससे संरक्षण प्रयासों में जनता का भरोसा कम हो सकता है।

समाधान:

- सक्रिय शमन रणनीतियाँ: संघर्षों को बढ़ने से पहले रोकने के लिए प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली, नियमित निगरानी, बाड़ लगाना और सार्वजनिक शिक्षा जैसे सक्रिय उपायों पर जोर दें।
- नैतिक हस्तक्षेप: नैतिक विचारों के आधार पर हस्तक्षेप को प्राथमिकता दें, जिसमें शामिल जानवरों और मनुष्यों दोनों का कल्याण सुनिश्चित हो।
- समग्र दृष्टिकोण: वन्यजीव प्रबंधन के लिए एक समग्र दृष्टिकोण अपनाएं जो मानव और गैर-मानव दोनों जानवरों की जरूरतों पर विचार करता है, एक को दूसरे के खिलाफ खड़ा करने वाली विभाजनकारी प्रथाओं से बचता है।
- नवोन्मेषी रणनीतियाँ: जानवरों और पारिस्थितिकी प्रणालियों को नुकसान को कम करते हुए मानव-वन्यजीव संघर्षों को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने के लिए, जैसा कि कर्नाटक वन विभाग द्वारा प्रदर्शित किया गया है, अनुसंधान में निवेश करें और नवीन रणनीतियों को लागू करें।

सारांश:

- मानव और वन्यजीवों के बीच सह-अस्तित्व को बढ़ावा देने के लिए वन्यजीवों को पकड़ने और बचाने के बीच अंतर महत्वपूर्ण है। सक्रिय शमन रणनीतियों को प्राथमिकता देकर, नैतिक

हस्तक्षेप प्रथाओं का पालन करके और वन्यजीव प्रबंधन के लिए समग्र दृष्टिकोण अपनाकर, हम संघर्षों को कम कर सकते हैं और मनुष्यों और प्राकृतिक दुनिया के बीच अधिक सामंजस्यपूर्ण संबंध को बढ़ावा दे सकते हैं।

जोखिम भरा परिसर:

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 3 से संबंधित:

अर्थव्यवस्था:

विषय: भारतीय अर्थव्यवस्था तथा योजना, संसाधनों को जुटाने प्रगति, विकास से संबंधित विषय।

मुख्य परीक्षा: भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास की स्थिरता के लिए चुनौतियाँ।

प्रसंग:

- एशियाई विकास बैंक (Asian Development Bank (ADB)) ने मजबूत निवेश और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सुधार की उम्मीदों का हवाला देते हुए चालू वित्त वर्ष के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि के अनुमान को संशोधित कर 7% कर दिया है।
- हालाँकि, वैश्विक जोखिमों और भारतीय अर्थव्यवस्था के भीतर संरचनात्मक मुद्दों के बीच विकास की स्थिरता को लेकर चिंताएँ बनी हुई हैं।

समस्याएँ:

- वैश्विक जोखिम: एडीबी ने तेल की कीमतों में तेज वृद्धि या पश्चिम में लंबे समय तक उच्च ब्याज दरों जैसे संभावित जोखिमों की चेतावनी दी है, जो भारत के विकास पथ को प्रभावित कर सकते हैं।
- संरचनात्मक सुधार: भारत में कोविड-19 महामारी के बाद महत्वपूर्ण संरचनात्मक सुधारों की कमी रिपोर्ट की गई विकास संख्या की स्थिरता पर सवाल उठाती है।
- उपभोक्ता खर्च संबंधी चिंताएँ: घरेलू बचत में बढ़ोतरी और अन्य आर्थिक अनिश्चितताओं के कारण उपभोक्ता खर्च में उछाल की धारणा कमजोर हो सकती है।

महत्व:

- एडीबी का विकास पूर्वानुमान भारत के लिए संरचनात्मक चुनौतियों का समाधान करने और विकास की गति को बनाए रखने के लिए वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं के साथ बेहतर एकीकरण की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है।
- निर्यात को बढ़ावा देने और वैश्विक मंच पर प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए व्यापार नियमों को सरल बनाना और लॉजिस्टिक्स बुनियादी ढांचे में सुधार करना आवश्यक है।

समाधान:

- नीति सरलीकरण: नीति निर्माताओं को व्यापार नियमों को सुव्यवस्थित करना चाहिए और विशेष रूप से बड़े पैमाने पर विशेष आर्थिक क्षेत्रों की स्थापना के माध्यम से एक आसान नीति वातावरण बनाना चाहिए।
- वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं के साथ एकीकरण: भारत को अस्थिर वैश्विक व्यापार गतिशीलता से जुड़े जोखिमों को कम करने के लिए वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं के साथ एकीकरण को प्राथमिकता देनी चाहिए।
- लॉजिस्टिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार: दक्षता बढ़ाने और व्यापार और परिवहन से जुड़ी लागत को कम करने के लिए लॉजिस्टिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश महत्वपूर्ण है।
- उपभोक्ता खर्च समर्थन: उपभोक्ता खर्च को समर्थन देने के लिए उपाय लागू किए जाने चाहिए, जिसमें घरेलू बचत को बढ़ाने और आर्थिक अनिश्चितताओं को दूर करने की पहल शामिल है।

सारांश:

- हालाँकि एडीबी का विकास पूर्वानुमान भारत की आर्थिक संभावनाओं के बारे में आशावाद को दर्शाता है, लेकिन यह संरचनात्मक चुनौतियों का समाधान करने और वैश्विक जोखिमों को कम करने के लिए ठोस प्रयासों की आवश्यकता को भी रेखांकित करता है। व्यापार नियमों को सरल बनाकर, लॉजिस्टिक्स बुनियादी ढांचे में सुधार करके और उपभोक्ता खर्च का

समर्थन करके, भारत अपनी प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ा सकता है और उभरते वैश्विक आर्थिक परिदृश्य को अधिक प्रभावी ढंग से नेविगेट कर सकता है।

प्रीलिम्स तथ्य:

1. आईआईएससी के शोधकर्ताओं ने पानी से माइक्रोप्लास्टिक हटाने के लिए नया हाइड्रोजेल डिजाइन

किया:

प्रसंग:

- भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी) के शोधकर्ताओं ने पानी से माइक्रोप्लास्टिक हटाने के उद्देश्य से एक टिकाऊ हाइड्रोजेल विकसित किया है।
- माइक्रोप्लास्टिक महत्वपूर्ण स्वास्थ्य जोखिम पैदा करते हैं क्योंकि वे पीने के पानी के माध्यम से मानव शरीर में प्रवेश कर सकते हैं, जिससे बीमारियों की संभावना बढ़ जाती है।

समस्याएँ:

- माइक्रोप्लास्टिक्स का स्वास्थ्य खतरा: माइक्रोप्लास्टिक्स, छोटे प्लास्टिक के अवशेष, स्वास्थ्य जोखिम पैदा करते हैं क्योंकि वे पीने के पानी को दूषित करते हैं और विभिन्न बीमारियों को जन्म दे सकते हैं।
- हटाने के तरीकों की स्थिरता: फ़िल्टरिंग झिल्लियों का उपयोग करके माइक्रोप्लास्टिक को हटाने के पिछले प्रयास रुकावट के कारण अस्थायी साबित हुए हैं, जिससे वैकल्पिक समाधान की आवश्यकता होती है।

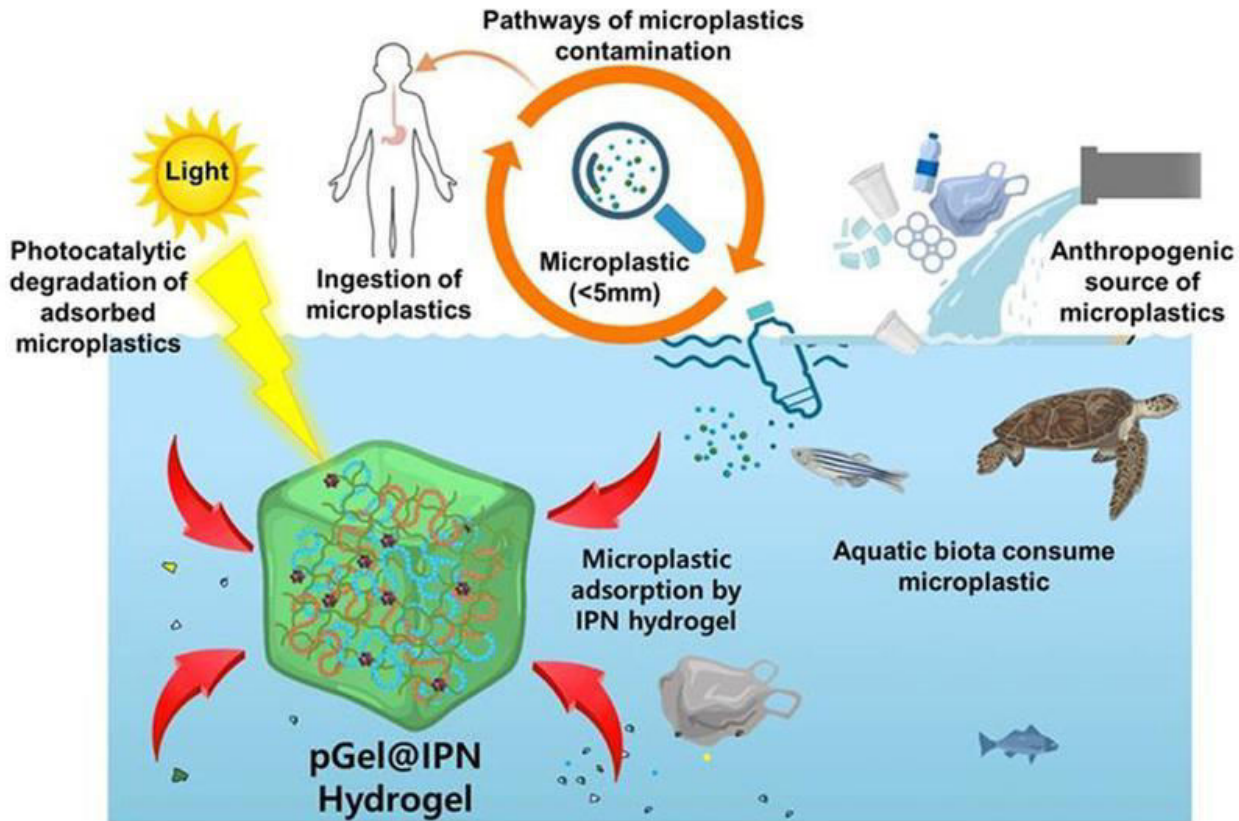
महत्व:

- आईआईएससी शोधकर्ताओं द्वारा डिज़ाइन किया गया हाइड्रोजेल माइक्रोप्लास्टिक्स समस्या का एक आशाजनक समाधान प्रदान करता है, जो उन्हें हटाने के लिए एक कुशल और टिकाऊ तरीका प्रदान करता है।

- इसकी अनूठी पॉलिमर नेटवर्क संरचना, एक उत्प्रेरक सामग्री के नैनोक्लस्टर के साथ मिलकर, माइक्रोप्लास्टिक्स के सोखने और क्षरण दोनों की अनुमति देती है।

समाधान:

- सतत हाइड्रोजेल का विकास: आईआईएससी टीम का नवोन्मेषी हाइड्रोजेल, जिसमें आपस में गुंथी हुई पॉलिमर परतें और उत्प्रेरक नैनोक्लस्टर शामिल हैं, टिकाऊ माइक्रोप्लास्टिक हटाने की क्षमता को प्रदर्शित करता है।
- यूवी प्रकाश विकिरण का उपयोग: हाइड्रोजेल की यूवी प्रकाश विकिरण का उपयोग करके माइक्रोप्लास्टिक्स को नष्ट करने की क्षमता जल निकायों में प्लास्टिक प्रदूषण को संबोधित करने के लिए पर्यावरण के अनुकूल दृष्टिकोण प्रदान करती है।
- उत्पादन और कार्यान्वयन को बढ़ाना: हाइड्रोजेल के उत्पादन को बढ़ाने और जल उपचार संयंत्रों और पर्यावरणीय सफाई पहल जैसे वास्तविक दुनिया के परिदृश्यों में इसकी तैनाती का पता लगाने के प्रयास किए जाने चाहिए।



चित्र स्रोत: The hindu

महत्वपूर्ण तथ्य:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

UPSC प्रारंभिक परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

प्रश्न 1. बढ़ती मुद्रास्फीति के निम्नलिखित में से कितने प्रभाव हैं?

1. क्रय शक्ति में वृद्धि
2. वित्तीय बाजारों में सट्टेबाजी का व्यवहार
3. बढ़ती ब्याज दरें

उपर्युक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: b

व्याख्या:

- मुद्रास्फीति धन की क्रय शक्ति को नष्ट कर देती है, जिसका अर्थ है कि समान राशि के साथ, व्यक्ति कम सामान और सेवाएं खरीद सकते हैं।

प्रश्न 2. शिक्षा की वार्षिक स्थिति रिपोर्ट (एएसईआर) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. शिक्षा की वार्षिक स्थिति रिपोर्ट (एएसईआर) 2023 का शीर्षक 'बियॉन्ड बेसिक्स' है।
2. यह एक वार्षिक, नागरिक-नेतृत्व वाला घरेलू सर्वेक्षण है।
3. यह एनजीओ प्रथम द्वारा प्रतिवर्ष जारी किया जाता है।

उपर्युक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा गलत है?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: d

व्याख्या:

- सभी तीन कथन सही हैं।

प्रश्न 3. एशियाई विकास बैंक के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. ADB का संचालन एक बोर्ड ऑफ गवर्नर्स द्वारा किया जाता है, जो ADB के सदस्य देशों का प्रतिनिधित्व

करता है।

3. भारत ADB का संस्थापक सदस्य है।
2. इसका मुख्यालय मनीला, फिलीपींस में है।

उपर्युक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: c

व्याख्या:

- तीनों कथन सही हैं।

प्रश्न 4. औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. आईआईपी एक संकेतक है जो एक निश्चित अवधि के दौरान औद्योगिक उत्पादों के उत्पादन की मात्रा में परिवर्तन को मापता है।
2. इसे वित्त मंत्रालय द्वारा मासिक रूप से संकलित और प्रकाशित किया जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से गलत है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: b

व्याख्या:

- इसे राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ), सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा मासिक रूप से संकलित और प्रकाशित किया जाता है।

प्रश्न 5. निम्नलिखित में से कौन एक अर्थव्यवस्था के भीतर कुल मुद्रास्फीति का माप है?

- (a) कोर मुद्रास्फीति
- (b) हेडलाइन मुद्रास्फीति
- (c) अपस्फीति
- (d) मौद्रिक मुद्रास्फीति

उत्तर: b

व्याख्या:

- हेडलाइन मुद्रास्फीति किसी अर्थव्यवस्था के भीतर कुल मुद्रास्फीति का माप है। इसे आमतौर पर सीपीआई या डब्ल्यूपीआई के रूप में प्रस्तुत किया जाता है।

UPSC मुख्य परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

प्रश्न 1. वैश्वीकरण के संदर्भ में इंटरनेट द्वारा उत्पन्न अवसरों और चुनौतियों का मूल्यांकन कीजिए और सतत विकास के लिए इसकी क्षमता का दोहन करने के उपाय सुझाएं। (उत्तर 150 शब्दों में दें)

(सामान्य अध्ययन - I, भूगोल) (Evaluate the opportunities and challenges posed by the internet in the context of globalization and suggest measures to harness its potential for sustainable development. (10 Marks, 150 Words) [GS-3, Science and Technology])

प्रश्न 2. आर्थिक अस्थिरता के बीच मुद्रास्फीति के प्रबंधन में आने वाली चुनौतियों पर चर्चा कीजिए और मूल्य स्थिरता और सतत विकास प्राप्त करने के लिए नवीन नीतिगत उपाय सुझाएं। (उत्तर 150 शब्दों में दें) (सामान्य अध्ययन - I, भूगोल) (Discuss the challenges faced in managing inflation amidst economic volatility and suggest innovative policy measures to achieve price stability and sustainable growth. (10 Marks, 150 Words) [GS-3, Economy])

(नोट: मुख्य परीक्षा के अंग्रेजी भाषा के प्रश्नों पर क्लिक कर के आप अपने उत्तर BYJU'S की वेब साइट पर अपलोड कर सकते हैं।)